स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं

जिला बिलासपुर (हि०प्र०)

वार्षिक-प्रतिवेदन

2021-22

वार्षिक पारितोषिक-वितरण समारोह

दिनांक 1 अप्रैल 2022

मुख्यातिथि

श्री राजिन्द्र गर्ग

माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मन्त्री

हिमाचल प्रदेश

प्रस्तुतीकरण

प्रो. रामकृष्ण

प्राचार्य

स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं

जिला बिलासपुर (हि०प्र०) सत्र 2021-22

वार्षिक-प्रतिवेदन

परिचय

स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय, घुमारवीं 1 जुलाई 1994 को हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना के साथ अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना के बाद से महाविद्यालय का प्रसार हुआ और उत्तरोत्तर उच्च प्रतिष्ठित सह-शिक्षा संस्थानों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सीखना तथा उत्कृष्टता की संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करना यहां की हर कक्षा और विभाग में व्याप्त है। महाविद्यालय न केवल शिक्षित होने पर अपितु सीखने और मानवीय मूल्यों को विकसित करने के लिए अद्‌भुत ऊर्जा पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

महाविद्यालय का भव्य और सुन्दर भवन ए.सी.सी. द्वारा निर्मित की गई थी और महाविद्यालय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5 से संबद्ध है। महाविद्यालय को 2009 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुच्छेद 2 (एफ) और 12 (बी) के तहत संबद्धता मिली और 2020 में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् द्वारा ग्रेड बी. संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। महाविद्यालय का पूरा परिसर सीसीटीवी निगरानी में है और वाई-फाई से जुड़ा हुआ है। फूल, पेड़, हरे मैदान और लताएँ परिसर को साफ, हरा-भरा और सुन्दर रखते हैं जो सभी को मोहित कर लेते हैं। महाविद्यालय में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, जलपान-गृह और खेल के मैदान के रूप में पर्याप्त आधारभूत ढांचा है। इसकी अपनी व्यायामशाला और एक कन्या छात्रावास है। महाविद्यालय B.B.A, B.C.A जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पी.जी.डी.सी.ए. और बी.वॉक, आठ विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम महाविद्यालय के महत्त्व को उत्तरोत्तर बढ़ा रहे हैं। महाविद्यालय भौतिकी, प्रयोगशाला, जीआईएस लैब और सूचना और प्रौद्योगिकी के लिए वातानुकूलित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। महाविद्यालय में इग्नू का अध्ययन केंद्र भी प्रगति पथ पर अग्रसर है।

विद्यार्थी -पंजीकरण (सत्र 2021-22)

महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में विद्यार्थियों के पंजीकरण में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस वर्ष की कुल पंजीकरण संख्या 3028 रही, जिनमें 1975 लड़कियाँ तथा 1053 लड़के हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
संकाय	Class	General		S.C.		S.T.		O.B.C.		Tot.	Tot.	GT
	Name	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	11+12
कला संकाय	BA.1 Year	76	163	45	90	3	2	12	30	136	285	421
	BA.2nd Year	51	128	18	65	0	5	5	20	74	218	292
	BA.3rd Year	69	166	23	80	1	3	8	29	101	278	379
	Total	**196**	**457**	**86**	**235**	**4**	**10**	**25**	**79**	**311**	**811**	**1092**
विज्ञान संकाय	B.Sc.1 Year	106	168	31	38	1	7	14	18	152	231	383
	B.Sc.2nd Year	87	127	24	28	0	1	6	11	117	167	284
	B.Sc.3rd Year	112	172	34	42	1	4	15	20	162	238	400

	Total	**305**	**467**	**89**	**108**	**2**	**12**	**35**	**49**	**431**	**636**	**1067**
वाणिज्य संकाय	B.Com.1Year	51	26	16	12	0	1	11	8	78	47	125
	B.Com.2nd Year	36	30	14	12	0	0	7	5	57	47	104
	B.Com.3rd Year	45	50	15	12	1	0	5	4	66	66	132
	MCom-.1st	7	15	0	7	0	0	2	3	9	25	34
	MCom.3rd	3	14	2	6	0	0	0	4	5	24	29
	Total	**142**	**135**	**47**	**49**	**1**	**1**	**25**	**24**	**215**	**209**	**424**
कला स्नातकोत्तर	MA.Eng.1Year	0	2	0	0	0	0	0	0	0	2	2
	MA.Eng.3rd Year	0	8	0	2	0	0	0	1	0	11	11
	MA. Pol.Sc. 1st	1	16	2	7	1	1	0	2	4	26	30
	MA. Pol.Sc. 3rd	1	15	0	1	0	0	0	2	1	18	19
	Total	**2**	**41**	**2**	**10**	**1**	**1**	**0**	**5**	**5**	**57**	**62**
गणित	M.Sc.1st Sem	9	22	1	2	0	1	0	4	10	29	39
	M.Sc.3rd Sem	6	16	3	2	0	0	0	2	9	20	29
	Total	**15**	**38**	**4**	**4**	**0**	**1**	**0**	**6**	**19**	**49**	**68**
भौतिक विज्ञान	M.Sc.1st Sem	14	19	2	7	0	0	2	3	18	29	47
	M.Sc.3rd Sem	6	20	2	3	1	0	3	1	12	24	36
	Total	**20**	**39**	**4**	**10**	**1**	**0**	**5**	**4**	**30**	**53**	**83**
रसायन-विज्ञान	M.Sc.1st Sem	7	18	3	2	0	0	0	1	10	21	31
	M.Sc.3rd Sem	2	17	2	4	0	1	1	3	5	25	30
वनस्पति-विज्ञान	M.Sc.1st Sem	0	20	0	7	1	2	0	4	1	33	34
	M.Sc.3rd Sem	0	15	1	5	0	1	1	3	2	24	26
जीव विज्ञान	M.Sc.1st Sem	2	24	0	6	0	2	0	0	2	32	34
	M.Sc.3rd Sem	3	17	1	4	0	1	0	4	4	26	30
B.Voc	Hos.&Mgmt.	8	13	3	4	0	1	0	2	11	20	31
	Retail & Mgmt	6	6	1	3	0	0	0	0	7	9	16
	Grand Total	**708**	**1307**	**243**	**451**	**10**	**33**	**92**	**184**	**1053**	**1975**	**3028**
BCA	BCA. 1st Year	31	9	5	1	0	0	4	0	45	10	55
	BCA. 2nd Year	26	13	2	2	0	0	2	1	30	16	46
	BCA. 3rd Year	20	7	2	1	0	0	2	1	25	9	34
	Total BCA	**77**	**29**	**9**	**4**	**0**	**0**	**8**	**2**	**100**	**35**	**135**
BBA	BBA. 1st Year	24	9	3	3	0	0	1	0	28	12	40
	BBA. 2nd Year	17	4	3	2	0	0	1	0	21	6	27
	BBA. 3rd Year	12	7	2	3	0	0	1	1	15	11	26
	Total BBA	**53**	**20**	**8**	**8**	**0**	**0**	**3**	**1**	**64**	**29**	**39**
PGDCA	PGDCA 1st Year	4	12	0	4	0	0	1	0	7	16	23

इस वर्ष का बी.बी.ए., बी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए. कुल पंजीकरण 251 रहा है।

आचार्य -संवर्ग

स्वीकृत पद एवं रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी

क्रम संख्या	**विषय**	**स्वीकृत पद**	**भरे हुए पद**		**रिक्त पद**
			नियमित	**अनुबंध**	
1	संस्कृत	2	2	....	....
2.	हिन्दी	2	1	....	1
3.	अंग्रेजी	4	4	....	....
4.	गणित	5	3	....	3
5.	समाजशास्त्र	1		....	1
6.	लोक-प्रशासन	2	1	....	1
7.	अर्थशास्त्र	2	2	....	....
8.	इतिहास	1	1	....	....
9.	संगीत (गायन)	1	1	....	....
10.	संगीत (वाद्य)	1	1	....	....
11.	भौतिक-विज्ञान	6	5	....	1
12.	रसायन-विज्ञान	4	3	....	1
13.	जीव-विज्ञान	3	3	....	....
14.	वनस्पति-विज्ञान	3	3	....	....
15.	राजनीति-शास्त्र	2	1	....	1
16.	वाणिज्य-विभाग	3	3	....	....
17.	भूगोल	2	2	....	....
18.	शारीरिक-शिक्षा	1	1	....	....
19.	कंप्यूटर अप्लिकेशन	1	1	....	....
20.	पत्रकारिता और जनसंचार	1	1	....	....
21.	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन	1	1	....	....
22.	शिक्षा-विभाग	1	1	....	....
23.	पर्यावरण-विज्ञान	1	....	....	1
24.	पुस्तकालयाध्यक्ष	1	....	....	1
	कुल योग	**51**	**41**	**0**	**10**

महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए अतिथि संकाय के अंतर्गत 08 सदस्यों का प्रबंध किया गया है।

गैर-शिक्षण कर्मचारी:

गैर-शिक्षण कर्मचारियों की विस्तृत जानकारी निम्नवत है :

क्रम संख्या	पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	पी.टी.ए./ एच.ई.आई.ए.स.
1.	अधीक्षक ग्रेड-2	1	2		
2.	वरिष्ठ सहायक	1	0	1	
3.	कनिष्ठ सहायक	2	2		
4.	स्टोर कीपर	1		1	
5.	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	2	1	1	
6.	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	3	0	2	1 PTA
7.	प्रयोगशाला परिचारक	2	1	1	
8.	तबला वादक	1	1		
9.	चपरासी सह चौकीदार	7	7		
10	सफाई कर्मी	2			2 HEIS
11.	पशु संग्राहक/चतुर्थ श्रेणी	1	01	0	

स्थानांतरण -

प्रो. कौमुदी शर्मा, सहायक-आचार्या, समाजशास्त्र का स्थानांतरण हुआ।

प्रो. नीरज गांधी, सहायक-आचार्य, संगीत (गायन) का स्थानांतरण हुआ।

प्रो. श्वेता चंदेल, सहायक- आचार्या, रसायन-विज्ञान का स्थानांतरण हुआ।

प्रो. ज्योति बरवाल, सहायक- आचार्या,जीव विज्ञान का स्थानांतरण हुआ।

डॉ. नितम चंदेल, सह-आचार्य, लोक-प्रशासन का स्थानांतरण हुआ।

प्रो. विनोद कुमार, सहायक-आचार्य, अर्थशास्त्र का स्थानांतरण हुआ।

प्रो. रजनी देवी, सहायक-आचार्या, वाणिज्य विभाग का स्थानांतरण हुआ।

प्रो. राजकुमार, सहायक-आचार्य, रसायन-विज्ञान का स्थानांतरण हुआ।

श्री राकेश चंदेल, वरिष्ठ सहायक का स्थानांतरण हुआ।

श्री हसंराज, चपरासी का स्थानांतरण हुआ।

कार्यभार-ग्रहण

प्रो. सुरेश कुमार, सह-आचार्य (संगीत-गायन) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

प्रो. अवनीश ठाकुर, सहायक-आचार्य (भौतिक-विज्ञान) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार- ग्रहण किया।

डॉ. कुलदीप बरवाल, सहायक-आचार्य (जीव-विज्ञान) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

प्रो. नवीन भारद्वाज, सहायक-आचार्य (अर्थशास्त्र) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

डॉ. वासुदेव, सहायक-आचार्य (वाणिज्य-विभाग) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

डॉ. अंजना कुमारी, सहायक-आचार्या (संस्कृत) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

श्री पंकज चौहान, (वरिष्ठ सहायक) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

श्री राकेश कुमार, (चपरासी) ने महाविद्यालय परिवार में कार्यभार-ग्रहण किया।

उच्च शिक्षा संस्थान समिति

महाविद्यालय की उच्च शिक्षा संस्थान समिति के तत्त्वावधान में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ये कार्यक्रम क्षेत्र के उन छात्रों को लाभान्वित करने के लिए चलाए जा रहे हैं, जो वित्तीय संसाधनों के अभाव के कारण अपने क्षेत्र से बाहर जा कर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन नहीं कर सकते हैं। समिति के सभी पाठ्यक्रम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त हैं। समिति के पास सुयोग्य कर्मचारी, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और अन्य आधारभूत सुविधाएं हैं।

पुस्तकालय

पुस्तकालय किसी भी महाविद्यालय का अभिन्न अंग होता है। विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने एवं ज्ञान-पिपासा को शांत करने का केन्द्र पुस्तकालय होता है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में 12612 कुल पाठ्य-पुस्तकें, 984 संदर्भ पुस्तकें, 18 पत्रिकाएं, 10 शोध पत्र एवं 541 पुस्तकें बुक बैंक में मौजूद हैं। 15 समाचार-पत्र प्रतिदिन छात्रों के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध करवाए गए हैं। ऑनलाइन 3135000 ई-बुक और 6000 ऑनलाइन शोधपत्र पुस्तकालय में छात्रों के ज्ञानवर्धन के लिए उपलब्ध हैं। महाविद्यालय के पुस्तकालय में उच्च शिक्षा संस्थान समिति (HEIS) का अपना एक पुस्तकालय है, जिसमें 661 पाठ्य-पुस्तकें, 26 सन्दर्भ पुस्तकें, 10 पत्रिकाएं एवं 3 शोधपत्र शामिल हैं।

कन्या छात्रावास

महाविद्यालय में 90 छात्राओं के लिए एक कन्या छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में 50 छात्राएं कन्या छात्रावास में डॉ. रीता कुमारी के सानिध्य में रह रही हैं। छात्रावास में रह रही छात्राओं की कन्या छात्रावास के प्रबंधन के लिए विभिन्न समितियां बनाई गई हैं, जिसमें अनुशासन समिति, मैस समिति, खेलकूद समिति आदि शामिल हैं। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए छात्रावास में योग, प्रार्थना सभा, सांस्कृतिक-गतिविधियां समय अनुसार करवाई जाती हैं। छात्राएं स्वच्छता अभियान, पौधारोपण आदि गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेती हैं।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र

अक्टूबर 2010 में महाविद्यालय में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र अनवरत रूप से छात्रों को शिक्षा जारी रखने के लिए समर्पित है। कामगार लोग एवं छात्र जो किन्हीं कारणों से अपनी पढ़ाई नियमित नहीं रख पाए हैं, वे सभी अपनी शिक्षा इस केन्द्र की सहायता से पूरा करते हैं। इस केन्द्र में छात्र

BA, B.Com, BTS, DTS, CTS, CIS, CHR आदि शैक्षणिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर अपनी शिक्षा पूरी करते हैं। वर्तमान में 379 विद्यार्थियों ने इस केन्द्र में पंजीकरण करवाया है, जिनमें प्रथम वर्ष में 256, द्वितीय वर्ष में 93 एवं तृतीय वर्ष में 30 छात्रों ने अपना पंजीकरण करवाया है।

खेल-गतिविधियाँ

इस सत्र में महाविद्यालय की खिलाड़ी विपनप्रीत कौर तथा ईशा कुमारी को हैदराबाद तेलंगाना में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की वरिष्ठ महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है। दिव्या और ईशा कुमारी ने लखनऊ में आयोजित की गई कनिष्ठ राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया।

चम्बा, हिमाचल प्रदेश में आयोजित वरिष्ठ महिला ड्रैगनबोट प्रतियोगिता में शिवानी शर्मा, रोहिणी और किरण राणा ने भाग लिया।

महाविद्यालय के खिलाड़ी अजय कुमार ने राजकीय महाविद्यालय में आयोजित अन्तरमहाविद्यालयीय जूडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है।

महाविद्यालय में इस वर्ष अन्तर कक्षा प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया।

महाविद्यालय में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर तथा राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के मध्य बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर महाविद्यालय के छात्रों में अनुशासन तथा देश-प्रेम के साहस को विकसित करने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रो. यशपाल चोपड़ा के जुझारू मार्गदर्शन में इस वर्ष महाविद्यालय की कैडेट कोर में 15 नए कैडेट को पंजीकृत किया गया।

5 कैडेट ने 16 सितम्बर से 22 सितम्बर तक चितकारा विश्वविद्यालय में आयोजित प्री.आर.डी.सी. चयन कैंप में भाग लिया।

महाविद्यालय के 33 कैडेट ने इंडस विश्वविद्यालय ऊना, हिमाचल प्रदेश में भाग लिया। महाविद्यालय के 11 कैडेट ने एन.सी.सी., प्रमाण पत्र की परीक्षा दी। 24 कैडेट ने राष्ट्रीय कैडेट कोर बी प्रमाण-पत्र की परीक्षा दी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को स्वयं सेवा करने के लिए प्रेरित करती है। वर्तमान में महाविद्यालय में दो सेवा इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें इस वर्ष 154 स्वयंसेवकों ने पंजीकरण करवाया है। इस वर्ष महाविद्यालय तथा सामुदायिक सेवा में अग्रणी रहने के साथ-साथ स्वयंसेवकों ने जिला, राज्य, तथा राष्ट्रीय स्तर तक महाविद्यालय का परचम लहराया है। महाविद्यालय के स्वयंसेवक अंकुश शर्मा ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव जोकि पुडुचेरी में आयोजित हुआ उसमें हिमाचल टीम की तरफ से भाग लिया। इस वर्ष स्वयंसेवक सरोज ने जयपुर में आयोजित प्री.आर.डी.सी. कैम्प में हिमाचल टीम का प्रतिनिधित्व किया। महाविद्यालय की पांच स्वयंसेवी छात्राओं, सरस्वती साहनी, रवीना, पल्लवी, कल्पना और शिवानी ने सरस्वती नगर महाविद्यालय जुब्बल में आयोजित आत्मरक्षा कैम्प में भाग लिया। स्वयंसेवक जागृति धीमान ने नेहरू युवा केन्द्र द्वारा आयोजित युवा संसद में राज्य स्तर तक भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा

योजना के दोनों कार्यक्रम अधिकारी प्रो. राजेन्द्र कुमार और प्रो. मनोरमा चौहान अहर्निश इस महाविद्यालय की सेवा में विगत चार वर्ष से स्वयंसेवकों की भांति पूर्ण तन्मयता और निस्वार्थ भाव से समर्पित हैं।

रोवर्ज़ और रेंजर्ज़

महाविद्यालय की रोवर्ज़ और रेंजर्ज़ इकाई विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवा कर रोवर्ज़ और रेंजर्ज़ को सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए तैयार कर रही है। महाविद्यालय में रोवर्ज़ और रेंजर्ज़ की एक-एक इकाई कार्यरत है।

इस वर्ष रोवर्ज़ और रेंजर्ज़ ने रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और पौधरोपण करके प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व को पूर्ण किया।

स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक के सहयोग से रोवर्ज़-रेंजर्ज़ इकाई ने बैंक की कार्यशैली पर व्याख्यान करवाया। इस वर्ष रोवर्ज़-रेंजर्ज़ लीडर प्रो. प्रवीण सांख्यान एवं प्रो.डिम्पल चौहान ने राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में आयोजित एक-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

रेड-रिबन क्लब

महाविद्यालय का रेड-रिबन क्लब विद्यार्थियों को एच.आई.वी. तथा स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर जागरुक करने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। डॉ. जसवंत सिंह सैनी के मार्गदर्शन में वर्तमान सत्र में लगभग 10 कार्यक्रमों का आयोजन करवाया गया। क्लब ने 21 अगस्त को 'Intervention for Reinforcement of Positive Behaviour and Strengthen of life Skills' विषय पर एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया।

रेड-रिबन क्लब ने इस वर्ष दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, एक सेमिनार, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा टी.बी. विषय पर 1 मिनट का वीडियो दृश्य प्रतियोगी कार्यक्रमों के साथ-साथ रक्तदान शिविर में भी सहयोग किया।

रेड रिबन क्लब ने विश्व एड्स दिवस मनाते हुए महाविद्यालय के विद्यार्थियों को एड्स के रोगियों के प्रति संवेदनशीलता रखने के लिए जागरुक किया और साथ ही महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी तथा पोस्टर निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया।

आजीविका मार्गदशन और परामर्श प्रकोष्ठ

विद्यार्थियों का जागरुक करने और विभिन्न प्रकार से रोजगार के लिए निपुण बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार महाविद्यालय के स्तर पर आजीविका मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों में कम्युनिकेशन और रोजगार से संबंधित निपुणता विकसित की जा रही है।

प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. प्रीतम लाल के मार्गदर्शन में 8 दिसम्बर 2021 को महाविद्यालय में रोजगार के अवसरों पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। इस व्याख्यान में विभिन्न रोजगार से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से 4 विशेषज्ञों को मुख्य वक्ता के रूप में बुलाया गया।

महाविद्यालय में आजीविका मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ के द्वारा 9-12-2021 को कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में चार कंपनियों में साक्षात्कार के लिए 234 लोगों ने पंजीकरण करवाया, जिनमें से 134 लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है।

जेंडर चैंपियन क्लब

यूजीसी के निर्देशानुसार वर्ष 2018–19 में महाविद्यालय में जेंडर चैंपियन क्लब का गठन किया गया है। डॉ. रीता कुमारी के कुशल नेतृत्व में छात्र–छात्राएं अपनी सहभागिता पूर्ण निष्ठा से निभा रहे हैं। इस क्लब के तहत छात्र–छात्राएं नशा निषेध पर एकांकी, लड़के एवं लड़कियों के लिए आजीविका में समान अवसर, दहेज प्रथा के विरुद्ध जागरुकता अभियान में भाग लेते हैं। लिंग समानता को बढ़ावा देने के लिए नारा लेखन, भाषण, चित्रकला, लघु फिल्म प्रदर्शन आदि के माध्यम से यह क्लब निरन्तर अपने कार्य पर अग्रसर है। यह क्लब अपने अधोलिखित सिद्धान्तों पर कार्य कर रहा है:-

- लिंग आधारित विषयों पर छात्र–छात्राओं को जागरूक करना एवं छात्राओं को लिंग आधारित उनके अधिकारों एवं भेदभाव के प्रति जागरुक करना।
- महाविद्यालय में लैंगिक समानता को बढ़ावा दने के लिए छात्रा–छात्राओं को विविध गतिविधियों में शामिल करना, महाविद्यालय में छात्राओं को समानता का वातावरण प्रदान करना, जहां उन्हें सम्मान भी मिल सके।

जेंडर चैंपियन क्लब में इस वर्ष कुल 65 छात्र–छात्राओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। इस सत्र में छात्र–छात्राओं ने स्किट, पेंटिंग, भाषण आदि गतिविधियों में भाग लेकर लैंगिक समानता के प्रति जागरुक करने का प्रयास किया है।

स्वास्थ्य जागरुकता क्लब

महाविद्यालय का स्वास्थ्य जागरुकता क्लब समय–समय पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों को लाभान्वित करता है। क्लब के संयोजक प्रो. प्यारे लाल जनेऊ के मार्गदर्शन में क्लब ने 27 अक्टूबर 2021 को महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें 28 लोगों ने रक्तदान किया।

इस क्लब के माध्यम से 06 जनवरी 2022 को नागरिक चिकित्सालय घुमारवीं की टीम द्वारा 293 विद्यार्थियों का टीकाकरण करवाया गया। 04 मार्च 2022 को क्लब ने महाविद्यालय में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जिसमें 345 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

साहित्यिक क्लब

4 सितम्बर 2021 को शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम कृष्ण ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो.अनित शर्मा एवं मुख्य वक्ता प्रो. सुरेश शर्मा रहे। 07 सितम्बर से 14 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय साहित्यिक समिति तथा हिन्दी विभाग के तत्त्वावधान में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम जैसे – निबन्ध लेखन, सुलेख, दोहा वाचन, भाषण, नुक्कड़ नाटक, हिन्दी प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

1 नवम्बर 2021 को साहित्यक क्लब और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वधान में शिक्षा दिवस मनाया गया, जिसमें शिक्षा–विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अमित शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रामकृष्ण मुख्यातिथि रहे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब

भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार महाविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब का गठन किया गया है , जिसका उद्देश्य भारत को अखंडता से एकता की ओर ले जाना है। 31 अक्टूबर 2021 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान, राष्ट्रीय एकता दिवस, सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती, भारतीय संविधान विषय पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया, जिसमें 135 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

महिला प्रकोष्ठ (वीमेन सेल)

31 अक्टूबर 2021 को महिला प्रकोष्ठ और सांस्कृतिक क्लब द्वारा रंगोली प्रतियोगिता एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

8 मार्च 2021 को जैंडर चैंपियन क्लब और महिला प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक अधिकारी ओशिन शर्मा द्वारा महिला सशक्तिकरण पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में "महिला सशक्तिकरण कल, आज और कल" विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया।

सत्र 2021-22 के दौरान अन्य कार्यक्रम और गतिविधियाँ

9 अगस्त 2021 को "शैक्षणिक संस्थाओं के विकास में मीडिया तथा मीडिया कर्मियों की भूमिका" विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्ज़ एवं रेंजर्ज़ के स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय में 9 अगस्त से 15 अगस्त 2021 तक स्वच्छ हिमाचल अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने विविध गतिविधियों में भाग लिया,जिनमें पोस्टर निर्माण, नारा लेखन, स्वच्छता जागरुकता अभियान आदि में भाग लिया। छात्रों ने महाविद्यालय परिसर में प्लास्टिक भी एकत्रित किया।

15 अगस्त 2021 को कोविड-19 की बन्दिशों के बीच महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम पर प्राचार्य प्रो. राम कृष्ण ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। एन.सी.सी., रोवर्ज़ एवं रेंजर्ज तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सलामी दी गई।

स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में अनुदेशात्मक नवाचार परिषद् के सौजन्य से बी.बी.ए. तथा बी.सी.ए. विभाग के छात्रों के लिए स्टार्टअप विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में नवाचार परिषद् के तत्त्वावधान में बी.बी.ए. तथा बी.सी.ए. के विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता विकास के विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

बीबीए एवं बीसीए के विद्यार्थियों के लिए बिजनेस मॉडल कैनवस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

19 से 25 अगस्त 2021 तक महाविद्यालय में संस्कृत-विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

31 अगस्त 2021 को बौद्धिक संपदा अधिकार और इसके कानूनी पहलू विषय पर नवाचार परिषद् के सौजन्य से संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

5 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय में भाषायी–समिति के तत्वावधान में अध्यापक दिवस का आयोजन किया गया।

9 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय सांस्कृतिक समिति और सह–पाठयक्रम समिति द्वारा "युवा प्रतिभाओं की खोज" पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

10 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय में जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा लैंगिक समानता पर एक सप्ताह का जागरुकता अभियान चलाया गया।

16 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय में ओजोन दिवस का आयोजन इको–क्लब, भूगोल–विभाग और विज्ञान– संकाय के तत्त्वावधान में हुआ।

21 सितम्बर 2021 को जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं पोषण सप्ताह का आयोजन किया गया।

27 सितम्बर 2021 को पर्यटन और यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया गया।

10 अक्टूबर 2021 को "वैज्ञानिक साहित्य का अध्ययन" एवं "Project Manav : Atlas Initiative" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन महाविद्यालय में किया गया।

12 अक्टूबर 2021 को एन.सी.सी., एन.एस.एस.,रोवर्ज़ एवं रेंजर्ज, इकोक्लब द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनता दिवस का आयोजन महाविद्यालय में किया गया।

19 अक्टूबर 2021 को रेड–रिबन क्लब एवं जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में एच.आई.वी. एड्स जागरुकता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया गया।

21 अक्टूबर 2021 को महाविद्यालय में विभिन्न छात्रवृत्तियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

26 अक्टूबर 2021 को महाविद्यालय में रेड–रिबन क्लब द्वारा रक्तदान पर एक प्रेरक व्याख्यान डॉ सुमित शर्मा द्वारा दिया गया।

27 अक्टूबर 2021 को महाविद्यालय में रेड–रिबन क्लब, एन.एस.एस., एन.सी.सी.,रोवर्ज़ और रेंजर्ज़ इकाई के तत्त्वावधान से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

28 अक्टूबर 2021 को महाविद्यालय में अंतर–संकाय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति ने अक्टूबर 2021 में रंगोली तथा मेहंदी प्रतियोगिताएं करवा कर विद्यार्थियों की प्रतिभा को सँवारने का कार्य किया।

शिक्षा–विभाग राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में 11 नवम्बर 2021 को "नई शिक्षा नीति : एक अवसर" विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

16 नवम्बर 2021 को महाविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग महाविद्यालय की समिति ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन करवाया गया।

10 दिसम्बर 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर राजनीति–शास्त्र विभाग के तत्त्वावधान में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

29–30 दिसम्बर 2021 को महाविद्यालय में द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "नई शिक्षा नीति : चुनौतियां

और भविष्य" विषय पर आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों ने भाग लिया।

15 मार्च 2022 को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर राजनीति शास्त्र-विभाग तथा खाद्य,आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले-विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में फेयर डिजिटल फॉयनांस के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उपभाक्ताओं के अधिकार पर विशेष व्याख्यान करवाया गया।

छात्रवृत्तियाँ (2021-22)

अध्ययन में आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है। जिसका आवेदन स्वयं छात्रों द्वारा ऑनलाइन किया जाता है। सत्र 2021-22 में महाविद्यालय के 212 छात्रों ने छात्रवृत्ति प्राप्त की। विस्तृत-विवरण अधेलिखित प्रकार से है-

वर्ग	
कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना	13
अनुसूचित जाति (SC)	35
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	14
अनुसूचित जनजाति (ST)	03
आई.आर.डी.पी. (IRDP)	09
अल्पसंख्यक (Minority Community)	01
महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय छात्रों के लिए केन्द्रीय छात्रवृति	87
आर्थिक पिछड़ा वर्ग	46
दिव्याँग	02
स्नातकोत्तर इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति	02

महाविद्यालय पत्रिका

स्वामी विवेकान्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं प्रत्येक वर्ष एक पत्रिका "**पारिजात**" का प्रकाशन करता है ,अत: इस वर्ष भी पारिजात नामक पत्रिका का संपादन एवं प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में प्रो. त्रिभुवन राज सिंह मुख्य संपादक की भूमिका में हैं एवं अन्य आचार्य-गण जो अनवरत सहायक रहेंगे उनका नामकरण अधोलिखित प्रकार से हैं -

प्रो. त्रिभुवन राज सिंह	मुख्य-संपादक
डॉ. मोहिन्द्र सिंह	योजना-प्रमुख
प्रो. अमित कुमार	पहाड़ी-अनुभाग
प्रो. अनित कुमार	आंग्ल-अनुभाग
प्रो. मनोरमा देवी	हिन्दी-अनुभाग
डॉ. रिपन कुमार	संस्कृत-अनुभाग
डॉ. शिष्टा शर्मा	विज्ञान-अनुभाग
प्रो. कुमारी पूनम	वाणिज्य-अनुभाग

आचार्य समूह की महाविद्यालयीय वार्षिक गतिविधियाँ एवं व्यक्तिगत उपलब्धियां ,सत्र 2021–22 की विशेष व्यक्तिगत उपलब्धियाँ

प्रो. बच्चन सिंह, सहायक-आचार्य, भूगोल-विज्ञान

आपने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा लिंग संवेदीकरण विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन 28 फरवरी से 5 मार्च 2022 को किया गया।

प्रो.सुरेश शर्मा, सह-आचार्य (संगीत -गायन)

आप संगीत, संस्कृति, शिक्षा तथा सामाजिक समस्याओं पर आधारित अनेक वेब टीवी चैनलों पर पैनलिस्ट के रूप में आमन्त्रित किए गए हैं।

आपने हिमाचल प्रदेश, शिक्षा विभाग द्वारा सरकार के लिए स्वतन्त्रता के अमृत महोत्सव तथा प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में 'सिग्नेचर सांग' तथा 'स्टेट सांग' निर्माण समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर 11 नवम्बर, 2021 को सोशियोलॉजिकल सोसायटी हिमाचल प्रदेश द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए आपको 'श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान-2021' से सम्मानित किया गया।

चम्बा में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सतत् विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में लोक-संस्कृति कार्मिकों की भूमिका' पर आपने शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आपने स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं द्वारा 29 दिसम्बर, 2021 को नई शिक्षा नीति चुनौतियां एवं सम्भावनाएँ विषय पर आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गुणवत्ता पर केन्द्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' पर शोधपत्र प्रस्तुत कर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

आप स्थानीय महाविद्यालय द्वारा विभिन्न विभागों, संकायों, समितियों तथा क्लबों के कार्यक्रमों में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

आपके द्वारा प्रदेश के प्रतिष्ठित हिन्दी समाचारपत्र दिव्य-हिमाचल के सम्पादकीय पृष्ठ में शिक्षा, संगीत, कला-संस्कृति तथा विभिन्न समसामयिक विषयों एवं सामाजिक समस्याओं पर पन्द्रह से अधिक लेखों का प्रकाशन किया गया।

महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में इक्कीसवीं बार रक्तदान करने के साथ ही आपने अन्य सहयोगियों एवं छात्रों को भी रक्तदान हेतु प्रेरित किया।

प्रो. बोविन्द्र चंद, सहायक आचार्य (जीव-विज्ञान)

आपने राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब में 19 दिसंबर को आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जैव-विविधता एवं सतत् विकास" नामक विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। आपने स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में 29-30 दिसंबर 2021 को नई शिक्षा नीति 2020 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। आपने राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा में "समाज पर्यावरण एवं सतत् विकास" विषय पर आयोजित की गई राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। आपकी उत्कृष्ट शोधोन्मुखी प्रवृत्ति के कारण आपके इस शोधपत्र को तकनीकी सत्र में उत्कृष्ट शोधपत्र के रूप में पुरस्कृत किया गया।

प्रो. अवनीश कुमार, सहायक आचार्य (भौतिक-विज्ञान)

आपने एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया जो चितकारा विश्वविद्यालय द्वारा 3 मार्च 2022 को "शोध एवं प्रकाशन में नवाचार और चुनौतियां" विषय पर आधारित थी। आपने स्थानीय महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर समायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी " एक भारत श्रेष्ठ भारत " विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. प्रवीण सांख्यान, सहायक आचार्य (वनस्पति-विज्ञान)

आपने राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब में 19 दिसंबर में आयोजित द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लोक वनस्पति विज्ञान' विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आपने राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में आयोजित की गई एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी भाग लिया।

प्रो. राजेंद्र कुमार, सहायक आचार्य (भूगोल)

प्रो. राजेंद्र कुमार द्वारा एक शोधपत्र का लेखन किया गया जिसका विषय "अटल सुरंग रोहतांग के विनिर्माण उपरान्त लाहौल स्पीति के जनमानस और जीवन पर उसका प्रभाव" है। यह शोधपत्र अन्तर्राष्ट्रीय शोध–पत्रिका में अक्टूबर 2021 में प्रकाशित हुआ।

प्रो. अनित कुमार, सहायक आचार्य (आंग्ल)

आपने 'साप्ताहिक संकाय विकास कार्यक्रम' में भाग लिया, जिसका आयोजन के. टी.एच.एम. नासिक, महाराष्ट्र में 23 से 28 अगस्त 2021 को किया गया था। इसके अतिरिक्त आपने डीएवी महाविद्यालय चंडीगढ़, द्वारा आयोजित एक साप्ताहिक कार्यशाला में भी भाग लिया जिसका विषय 'साहित्यिक पुस्तकों का अनुवाद' था।

शोधपरक अभिरुचि के कारण इस वर्ष आपने राष्ट्रीय स्तर की तीन संगोष्ठियों में भी भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार, सहायक आचार्य (रसायन-विभाग)

आपने करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय द्वारा 11 से 16 अगस्त 2021 को " वर्तमान परिदृश्य में शिक्षार्थ निपुणता, ज्ञान एवं अवसर" विषय पर आयोजित साप्ताहिक "संकाय विकास कार्यक्रम" में भाग लिया।

आपने शिक्षण अधिगम केन्द्र रामानुजन महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन–विभाग के द्वि- साप्ताहिक पुनश्चर्या कार्यक्रम में भी भाग लिया, इसका आयोजन अंर्तजाल के माध्यम से किया गया था।

इसके अतिरिक्त आपने स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में 30 दिसंबर 2021 को समायोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोविड–19 में प्रौद्योयोगिकीय स्वीकार्यता : चुनौतियां एवं अवसर" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अरुण कुमार, सहायक आचार्य (भौतिक-विभाग)

आपके दो शोध आलेख Novel Properties of transition metal dichalcogenides mono-layers and nanorbbons (M×2, where M = Cr, Mo, W and X= S, Se) : A spin resolved study एवं Structural, electronic and magnetic properties of CrmSn and CrmSen nanoflakes: An ab-initio investigation विषय पर संयुक्त रूप से प्रो. अंजना देवी

के साथ प्रकाशित हुए हैं।

आपने चंडीगढ़ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में Optical Properties of Triangular Nanoflakes of CrmSen विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसके साथ में मुंबई में अन्तर्जालीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी आपने Effect of M and S2 Vacancies at Different Sites on MS2MLs (M = Mo, W) : An Ab initio Study विषयक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त PA Comparative Study on Phonon Spectrum and Thermal Properties of Graphene, Silicence and Phosphorene : Recent Advances and Development विषयक अध्याय भी एक पुस्तक में प्रकाशित हुआ है।

प्रो. डिम्पल चौहान, सहायक-आचार्या (रसायन-विभाग)

आपने 16 अक्टूबर 2021 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Biogenic synthesis of magnesium oxide and nanoparticle as potent anti bacterial agents : A review विषयगत एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आपने राज्यस्तरीय रोवर्ज़ और रेंजर्ज़ लीडर कार्यशाला में भी भाग लिया, जिसका आयोजन राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में किया गया।

प्रो. मनोरमा चौहान, सहायक-आचार्या (हिन्दी-विभाग)

आपने राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय, संजौली द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिक्षा और महिला सशक्तिकरण ' विषय पर शोधपत्र का प्रस्तुतीकरण किया।

डॉ. अंजना कुमारी, सहायक आचार्या (संस्कृत-विभाग)

आपने गुरु अंगद देव शिक्षा अधिगम केंद्र खालसा महाविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित साप्ताहिक 'संकाय विकास कार्यक्रम' में भाग लिया, जिसका आयोजन 25-31 जनवरी 2022 तक किया गया।

डॉ. रिपन कुमार, सहायक-आचार्य (संस्कृत-विभाग)

आप 13-15 नवंबर 2021 को शिमला में आयोजित अन्तर्विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक रहे। इसके साथ ही आपने इसमें "वेदों में आदर्श समाज की अवधारणा" नामक विषय पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किया।

आपने उदयपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा "भारत की राष्ट्रीय एकता और संस्कृत" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आर्षमहाकाव्येषु राष्ट्रीयैकता" विषयगत शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आपने स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी भाग ग्रहण किया।

इसके साथ ही आप कन्या महाविद्यालय जालंधर द्वारा 11-12 मार्च को आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं "वेदों में वर्णित राष्ट्रीय-भावना" विषय पर एक शोधपत्र का प्रस्तुतीकरण भी किया।

शोधपत्र के प्रस्तुतीकरण के अतिरिक्त ' संस्कृत वांङ्मय' एवं 'संस्कृत वांग्मयालोक' नामक सुप्रसिद्ध संस्कृत पुस्तकों में भी आपके शोधालेख प्रकाशित हुए हैं। इसके शीर्षक क्रमश: 'संस्कृत वांङ्मय में धर्म का स्वरूप एवं वर्तमान उपादेयता' तथा 'वेदों में नारी चिंतन एवं मृत्यु लोक में नारी की पीड़ा' है।

प्रो. पवन, सहायक आचार्य (राजनीतिक-शास्त्र)

आपने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में Uniform civil code versus unity in diversity विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रीता कुमारी, सहायक आचार्या (पत्रकारिता एवं जनसंचार-विभाग)

आपने दिसंबर 2021 में महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्मार्टफोन और डिजिटल अधिगम' विषय पर शोधपत्र पढ़ा।

आपने शिक्षण अधिगम केंद्र रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली से 'रिसर्च मैथोडोलॉजी और डेटा एनालिसिस' विषय पर द्वि-साप्ताहिक पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया। इनके साथ ही आपने जनवरी 2022 में शिक्षण अधिगम केन्द्र रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित एक माह के अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

आपने Catalysing Governance through Mobile Apps : A case of Arogya Setu. विषय पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किया गया।

11 दिसंबर 2021 को भारतीय शिक्षण मंडल, आनंद गुजरात द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में "शोध समस्या का चयन" विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

आपको नवंबर 2021 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल हिमाचल प्रदेश श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा 'आदर्श-शिक्षक सम्मान' प्रदान किया गया।

आपने सितंबर 2021 में निपा दिल्ली द्वारा आयोजित 'संकाय विकास कार्यक्रम' में भाग लिया गया।

जून 2021 में "डिजिटल दौर में मीडिया का बहु-आयामी स्वरूप" विषय पर सप्त-दिवसीय राष्ट्रीय ई-कार्यशाला में भी आपने भाग लिया।

प्रो. कुमारी पूनमा, सहायक-आचार्या (वाणिज्य-विभाग)

प्रो.कुमारी पूनमा को भारत स्कॉउट व गाइड, हिमाचल प्रदेश द्वारा बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना और कांगड़ा जिले के रेंजर्ज़ विभाग का (ASOC) Assistant state organising Commissioner नियुक्त किया गया।

आपने घुमारवीं महाविद्यालय द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "An overview analysis of NEP 2020 for the commerce Beneficiary" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

हमीरपुर महाविद्यालय में भारत स्कॉउट व गाइड, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भारत स्कॉउट व गाइड के विभिन्न विषयों पर बातचीत की।

आपने छात्रों के साथ "e- Consumer Satisfaction level during Covid-19 Pandemic You online shopping" पर शोधपत्र प्रकाशित किया।

आधारभूत संरचना

महाविद्यालय का सभागार 4,29,45,474 बजट के साथ निर्माणाधीन है। 88,68,800 बजट के साथ महाविद्यालय के पुस्तकालय का निर्माण किया गया है। 1,33,86,000 बजट के साथ महाविद्यालय का ई-पुस्तकालय निर्माणाधीन है। 69,89,495 बजट के साथ कॉमर्स ब्लॉक का निर्माण महाविद्यालय में किया

गया है। महाविद्यालय में विज्ञान संकाय-भवन 6,50,44,000 बजट के साथ निर्माणाधीन है। महाविद्यालय के खेल मैदान का कार्य 67,48,000 बजट के साथ प्रगति पथ पर है। एक करोड़ रुपये की अनुदान राशि महाविद्यालय को रूसा के तहत प्राप्त हुई है। इस बजट का प्रयोग महाविद्यालय के विकास कार्यों में किया जाएगा। जिनमें प्रमुख छात्रों के लिए डेस्क, ग्लास बोर्ड, नए लेक्चर स्टैंड, बहु उपयोगी मशीन, यूपीएस, विभिन्न भाषाओं के सॉफ्टवेयर आदि कार्यों पर बजट का प्रयोग किया जाएगा।

महाविद्यालय की परिकल्पना

स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं इस क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक रूपान्तरण का प्रमुख उपादान सिद्ध हो रहा है। यह संस्थान अपने विद्यार्थियों को शैक्षणिक दृष्टि से उत्कृष्ट, व्यवसायिक दृष्टि से कौशल सम्पन्न, मानसिक रूप से दृढ़ तथा सामाजिक रूप से उत्तरदायी बनाते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है।

अन्त में, मैं आज के माननीय मुख्यातिथि, श्री राजिन्द्र गर्ग जी का अपना बहुमूल्य समय साझा करने और अपनी सौम्य उपस्थिति से इस आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए, अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूँ।

इसके अलावा मैं स्थानीय प्रशासन के सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं एक्सईएन पीडब्ल्यूडी, एक्सईएन आईपीएच, एक्सईएन बिजली बोर्ड और विभिन्न विभागों के अन्य प्रमुख सहयोगियों की नियमित सहायता के लिए बहुत आभारी हूँ।

अन्त में, मैं विभिन्न समितियों के संयोजकों, संकाय सदस्यों, पीटीए सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों को इस आयोजन को सफल बनाने में पूरे दिल से योगदान देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

*** जय हिन्द, जय हिमाचल ***

प्रो. रामकृष्ण

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द राजकीय
महाविद्यालय घुमारवीं,
जिला बिलासपुर (हि०प्र०)